

---

# Shri Vishvanathastotram

श्रीविश्वनाथस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : vishvanAthastotram

File name : vishvanAthastotram.itx

Category : shiva

Location : doc\_shiva

Proofread by : Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

Description/comments : From Shivastotraratnakara, Gita press

Latest update : October 1, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 22, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

# Shri Vishvanathastotram

## श्रीविश्वनाथस्तोत्रम्



उपहराणं विभवानां संहराणं सकलदुरितजालस्य ।

उद्धराणं संसाराख्यराणं वः श्रेयसेऽस्तु विश्वपतेः ॥ १ ॥

समस्त अश्वर्याको प्रदान करनेवाले तथा समस्त पापसमूहोंका

नाश करनेवाले अर्थात् संसारसे उद्धार करनेवाले भगवान शंकरके

चरण आपलोगोंके लिये मंगलदायक होम् ॥ १ ॥

भिक्षुकोऽपि सकलेऽस्मितदाता प्रेतभूमिनिलयोऽपि पवित्रः ।

भूतमित्रमपि योऽभयसत्री तं विचित्रचरितं शिवमीडे ॥ २ ॥

स्वयं भिक्षुक होते हुए भी समस्त प्राणियोंको अन्धकारोंको

पूर्ण करनेवाले तथा प्रेतोंको अपवित्र भूमि-श्मशानमें रहनेपर भी

स्वयं पवित्र और भूतोंके मित्र (साथ) रहनेपर भी अभयका सत्र

चलानेवाले (अभय प्रदान करनेवाले) जैसे विचित्र चरित्रवाले

शिवकी मैं स्तुति करता हूँ ॥ २ ॥

॥ इति श्रीविश्वनाथस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

॥ इस प्रकार श्रीविश्वनाथस्वोत्र सम्पूर्णा हुआ ॥

देव बडः, दाता बडः संकर बडः भोरे ।

डिये दूर दुःख सभनिके, जिन्ड-जिन्ड कर जोरे ॥

सेवा, सुमिरन, पूजिभौ, पात आपत थोरे ।

दिये जगत जडँ लजि सबै, सुभ, गज, रथ, घोरे ॥

गाँव बसत बामदेव, में कबनहुँ न निहोरे ।


अधिभौतिक बाधा भई, ते डिकर तोरे ॥

बेजि भोवि बलि बरजिये, करतूति कहोरे ।


तुलसी दलि, सँध्यो यहुँ सह साभि सिहोरे ॥

Proofread by Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

---

——  
*Shri Vishvanathastotram*

pdf was typeset on November 22, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

